संस्थान में आयोजित हिन्दी दिवस/पखवाड़ा, 2021 की रिपोर्ट

केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर (प.बं.) में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी माह सितम्बर के दौरान अर्थात **दिनांक 01.09.2021 से 04.09.2021** तक विविध प्रतियोगिताओं यथा शब्दावली, निबंध, सुलेख व श्रुतिलेख तथा हिंदी टिप्पण व आलेखन का सफल आयोजन किया गया ताकि संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों में राजभाषा हिन्दी के प्रति प्रेरणा व प्रोत्साहन की भावना संचारित होने के साथ ही साथ राजभाषा प्रावधानों के सम्यक कार्यान्वयन व अनुपालन में और भी गति आ सके। हिन्दी दिवस/पखवाड़ा, 2021 के मुख्य समारोह का आयोजन दिनांक 14.09.2021 के अपराह्न में संस्थान के प्रेक्षा गृह में आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. किशोर कुमार, सी॰एम॰ द्वारा किया गया।

समारोह का शुभारंभ, संस्थान के श्री आर. बी. चौधरी, सहायक निदेशक [राभा] के स्वागत अभिभाषण द्वारा किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों को केन्द्रीय रेशम बोर्ड की गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्थात् वर्ष 2019-20 के लिए राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित होने की सहर्ष संसूचना और इस मुकाम तक पहुंचाने में सभी पदधारियों के सराहनीय प्रयास व योगदान के लिए बधाई दी गई। इसके अलावे, संस्थान के सहायक निदेशक (राभा) द्वारा वर्ष 2020 -21 की वार्षिक राजभाषा प्रगति व उपलब्धियों का संक्षिप्त ब्यौरा भी प्रस्तुत किया गया।

तदुपरांत, इस अवसर पर प्रबुद्ध व विशिष्ट जन अर्थात् श्री राजित रंजन ओखंडियार, माननीय सदस्य सचिव, केन्द्रीय रेशम बोर्ड से प्राप्त अपील/संदेश का पाठन संस्थान के निदेशक, डॉ. किशोर कुमार, सी॰एम॰ द्वारा किया गया।

साथ ही, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पधारे केंद्रीय विद्यालय, बहरमपुर के प्राधायपक श्री मोअज्जम एकबाल सिद्दीकी महोदय द्वारा अपने अभिभाषण में राजभाषा हिन्दी के महत्व और इसके वैश्विक स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए आजादी की लड़ाई में इसकी भूमिका पर सविस्तर प्रकाश डाला गया । उन्होने यह भी कहा की हिन्दी हमारी राष्ट्रीय एकता और अस्मिता का प्रतीक है और हमें अपने सरकारी कार्यों में उचित स्थान और मर्यादा अवश्य ही प्रदान किया जाना चाहिए।

इस दौरान, संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. किशोर कुमार, सी॰एम॰ द्वारा संस्थान के अनुभागों तथा इसके संबद्ध केन्द्रों को वर्ष 2020-21 के दौरान राजभाषा नीति तथा इसके प्रावधानों के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट योगदान हेतु क्षेरेउअके, कालिमपोंग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र, क्षेरेउअके, कोरापुट को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र, अनुसंधान विस्तार केन्द्र,अगरतला को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र और संस्थान के पीएमसीई प्रभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र, प्रशिक्षण प्रभाग को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र, एसबीजी प्रभाग को राजभाषा चलशील्ड एवं प्रशस्ति-पत्र एवं एमबीजी अनुभाग को राजभाषा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित व पुरस्कृत किया गया।

तत्पश्चात, इस दौरान मुख्य अतिथि, श्री मोअज्जम एकबाल सिद्दीकी के महोदय तथा संस्थान के निदेशक महोदय द्वारा हिन्दी पखवाड़ा, 2021 के अवसर पर आयोजित कुल 04 (चार) प्रतियोगितओं के विजेता प्रतिभागियों को क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय और सांत्वना पुरस्कार प्रदान करने के साथ-साथ वर्ष 2019-20 के दौरान मूल रूप से राजभाषा हिन्दी में निष्पादित सरकारी कामकाज हेतु कुल 09 अधिकारियों/पदधारियों को प्रोत्साहन स्वरूप नकद राशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उन्हें राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के प्रति प्रेरित व प्रोत्साहित किया गया।

इस दौरान, संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. किशोर कुमार, सी॰एम॰ ने अपने अध्यक्षीय भाषण में राजभाषा पर चर्चा करते हुए कहा कि यही एकमात्र ऐसी भाषा है जो पूरे राष्ट्र की अखंडता को अक्षुण्ण रख सकती है। साथ ही, उनके द्वारा सहज, सरल और दैनांदिन की व्यावहारिक शब्दों का इस्तेमाल सरकारी कार्यों में करने की सलाह पदधारियों को देते हुए यह उदगार व्यक्त किया गया कि रेशम उद्योग से जुड़े अभिनव खोज आदि से संबंधित रिपोर्ट/उपलब्धियों का न केवल हिंदी में बल्कि क्षेत्रीय भाषाओं में अर्थात् क्षेत्र से जुड़ी भाषाओं में हितधारकों तथा कृषकों तक उपलब्ध कराया जाए ताकि रेशम उद्योग की उपलब्धियों व खोजों को सहजतापूर्वक आमजन तक उपलब्ध कराने के साथ ही, राजभाषा के निर्धारित लक्ष्यों व उनकी दिशा-निर्देशों की सम्यक अनुपालन सुनिश्चित हो सके। साथ ही उनके द्वारा इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि हम केवल निर्धारित लक्ष्य तक सीमित न रखकर शत-प्रतिशत पत्राचार हिंदी में करने का प्रयास करें ताकि केन्द्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, बहरमपुर को विगत वर्षों में प्राप्त सुअवसर का क्रम आगे भी जारी रहे और हम राजभाषा पुरस्कार के प्रथम पैदान पर पहुंचने में सफलता हासिल कर सकें।

सर्वशेष में संस्थान के समस्त अधिकारियों/पदधारियों को इस समारोह को सफल बनाने में प्रदत्त सहयोगिता व प्रतिभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ समारोह की समाप्ति की घोषणा की गई।